भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2780 का उत्तर

सोलापुर में रेल परियोजनाएं

2780. सुश्री प्रणिती सुशीलकुमार शिंदे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) महाराष्ट्र में विशेष रूप से सोलापुर जिले में, नई लाइनों, दोहरीकरण, विद्युतीकरण और स्टेशन पुनर्विकास कार्यों सहित चल रही और आगामी रेल अवसंरचना परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) इन परियोजनाओं की परियोजना-वार वर्तमान स्थिति क्या है और इनके पूरा होने की समय-सीमा क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास सोलापुर और आस-पास के क्षेत्रों में नई रेल सेवाएं शुरू करने या कोविड-19 अवधि के दौरान बंद की गई सेवाओं को बहाल करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सोलापुर रेल मंडल में लिफ्ट, एस्केलेटर और अंतिम छोर तक संपर्क के प्रावधान सहित यात्री सुविधाओं और संपर्क में सुधार के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): सोलापुर जिले में रेल संपर्कता में सुधार लाने के लिए, निम्नलिखित परियोजनाएं/सर्वेक्षण कार्य शुरू किए गए हैं:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्थिति
1.	सोलापुर - तुलजापुर - धाराशिव	यह परियोजना 3,296 करोड़ रु. की लागत पर

	नई लाइन (84 कि.मी.)	स्वीकृत की गई है। मार्च, 2026 तक 1,140 करोड़ रु. का व्यय उपगत किया गया है और वर्ष 2026-27 के लिए 152 करोड़ रु. का परिव्यय प्रदान किया गया है। इस परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण कार्य पूरा किया जा चुका है। 16 बड़े पुलों में से 6 पुलों के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। 16 ऊपरी सड़क पुलों (आरओबी) में से 6 पुलों के कार्य पूरे किए जा चुके हैं।
2.	पुणे - सोलापुर - वाडी तीसरी और चौथी लाइन (393 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के बाद, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि के मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। चूंकि परियोजनाओं की स्वीकृति सतत और गतिशील प्रक्रिया है, सटीक समय-सीमा विभिन्न हितधारकों द्वारा किए गए मूल्यांकन और दिए गए अनुमोदन पर निर्भर करती है।

गाड़ी सेवाएं

भारतीय रेल द्वारा यात्रियों के लिए गाड़ी संपर्कता में सुधार लाने का निरंतर प्रयास किए जाते हैं और तदनुसार सोलापुर के यात्रियों की सुविधा के लिए, भारतीय रेल ने स्पेशल गाड़ी सेवाओं को नियमित करके निम्नलिखित गाड़ी सेवाओं को शुरू करने का विनिश्चय किया है:

क्र.सं.	गाड़ी संख्या और नाम
1.	11303/11304 सोलापुर-लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
2.	11313/11314 सोलापुर-अनकापल्ले एक्सप्रेस

3.	71433/71434 सोलापुर-दौंड डेमू
4.	71435/71436 सोलापुर-कलबुर्गी डेमू

उपरोक्त गाड़ी सेवाएं वर्तमान में सोलापुर स्टेशन के यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने वाली 112 गाड़ी सेवाओं के अतिरिक्त हैं। मौजूदा गाड़ी सेवाओं जिनमें 22225/22226 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी)-सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस भी शामिल है, जो दिल्ली, मुंबई, चेन्नै, बेंगलुरु, अहमदाबाद, वाराणसी, हैदराबाद, पुणे, मदुरै, भुवनेश्वर आदि जैसे महत्वपूर्ण गंतव्यों के लिए संपर्कता मुहैया करवा रही हैं। वर्तमान में सोलापुर स्टेशन को सेवित करने वाली गाड़ियों की सूची निम्नानुसार है:

क्र.सं.	गाड़ी संख्या और नाम
1	22225 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी)-सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस
2	22226 सोलापुर-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) वंदे भारत एक्सप्रेस
3	11013 लोकमान्य तिलक (टी)-कोयंबटूर एक्सप्रेस
4	11014 कोयंबटूर-लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
5	11017 लोकमान्य तिलक (टी)-करईकल एक्सप्रेस
6	11018 करईकल-लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
7	11019 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी)-भुवनेश्वर न्यू एक्सप्रेस
8	11020 भुवनेश्वर न्यू-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) एक्सप्रेस
9	11139 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी)-होसपेटे एक्सप्रेस
10	11140 होसपेटे-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) एक्सप्रेस
11	11301 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी)-केएसआर बेंगलुरु एक्सप्रेस
12	11302 केएसआर बेंगलुरु-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) एक्सप्रेस

13	11311 सोलापुर-हासन एक्सप्रेस
14	11312 हासन-सोलापुर एक्सप्रेस
15	11415 सोलापुर-होसापेटे एक्सप्रेस
16	11416 होसपेटे-सोलापुर एक्सप्रेस
17	11417 पुणे-सोलापुर एक्सप्रेस
18	11418 सोलापुर-पुणे एक्सप्रेस
19	11421 हडपसर-सोलापुर एक्सप्रेस
20	11422 सोलापुर-पुणे एक्सप्रेस
21	12025 पुणे-हैदराबाद शताब्दी एक्सप्रेस
22	12026 हैदराबाद-पुणे शताब्दी एक्सप्रेस
23	12115 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी)-सोलापुर एक्सप्रेस
24	12116 सोलापुर-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) एक्सप्रेस
25	12157 पुणे-सोलापुर एक्सप्रेस
26	12158 सोलापुर-पुणे एक्सप्रेस
27	12163 लोकमान्य तिलक (टी)-एमजीआर चेन्नै सेंट्रल एक्सप्रेस
28	12164 एमजीआर चेन्नै सेंट्रल-लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
29	12169 पुणे-सोलापुर एक्सप्रेस
30	12170 सोलापुर-पुणे एक्सप्रेस
31	12219 लोकमान्य तिलक (टी)-सिकंदराबाद दुरंतो एक्सप्रेस
32	12220 सिकंदराबाद- लोकमान्य तिलक (टी) दुरंतो एक्सप्रेस

33	12627 केएसआर बेंगलुरु-नई दिल्ली एक्सप्रेस
34	12628 नई दिल्ली-केएसआर बेंगलुरु एक्सप्रेस
35	12701 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी)-हैदराबाद एक्सप्रेस
36	12702 हैदराबाद-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) एक्सप्रेस
37	12755 काकीनाडा पोर्ट-भावनगर एक्सप्रेस
38	12756 भावनगर-काकीनाडा पोर्ट एक्सप्रेस
39	14805 यशवंतपुर-बाड़मेर एक्सप्रेस
40	14806 बाड़मेर- यशवंतपुर एक्सप्रेस
41	16217 मैसूर-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस
42	16218 साईनगर शिरडी-मैसूर एक्सप्रेस
43	16331 लोकमान्य तिलक (टी)-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल एक्सप्रेस
44	16332 तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
45	16339 लोकमान्य तिलक (टी)-नागरकोविल एक्सप्रेस
46	16340 नागरकोविल- लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
47	16351 लोकमान्य तिलक (टी)-नागरकोविल एक्सप्रेस
48	16352 नागरकोविल- लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
49	16381 पुणे-कन्याकुमारी एक्सप्रेस
50	16382 कन्याकुमारी-पुणे एक्सप्रेस
51	16535 मैसूर-पंढरपुर एक्सप्रेस
52	16536 पंढरपुर-मैसूर एक्सप्रेस

53	16587 यशवंतपुर-बीकानेर एक्सप्रेस
54	16588 बीकानेर-यशवंतपुर एक्सप्रेस
55	16613 राजकोट-कोयंबटूर एक्सप्रेस
56	16614 कोयंबटूर-राजकोट एक्सप्रेस
57	17029 विजयपुरा-हैदराबाद एक्सप्रेस
58	17030 हैदराबाद-विजयपुर एक्सप्रेस
59	17221 काकीनाडा पोर्ट-लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
60	17222 लोकमान्य तिलक (टी)-काकीनाडा पोर्ट एक्सप्रेस
61	17307 मैसूर-बागलकोट एक्सप्रेस
62	17308 बागलकोट-मैसूर एक्सप्रेस
63	17323 एसएसएस हुब्बली-बनारस एक्सप्रेस
64	17324 बनारस-एसएसएस हुब्बली एक्सप्रेस
65	18519 विशाखापत्तनम- लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
66	18520 लोकमान्य तिलक (टी)-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस
67	19567 तूतीकोरिन-ओखा एक्सप्रेस
68	19568 ओखा-तूतीकोरिन एक्सप्रेस
69	20657 एसएसएस हुब्बली-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस
70	20658 हजरत निजामुद्दीन-एसएसएस हुब्बली एक्सप्रेस
71	20667 यशवंतपुर-खातीपुरा एक्सप्रेस
72	20668 खातीपुरा-यशवंतपुर एक्सप्रेस

73	20915 चर्लपल्ली-इंदौर एक्सप्रेस
74	20916 इंदौर-चर्लपल्ली एक्सप्रेस
75	20919 एमजीआर चेन्नै सेंट्रल-एकता नगर एक्सप्रेस
76	20920 एकता नगर-एमजीआर चेन्नै सेंट्रल एक्सप्रेस
77	20953 एमजीआर चेन्नै सेंट्रल-अहमदाबाद एक्सप्रेस
78	20954 अहमदाबाद-एमजीआर चेन्नै सेंट्रल एक्सप्रेस
79	20967 सिकंदराबाद-पोरबंदर एक्सप्रेस
80	20968 पोरबंदर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस
81	22101 लोकमान्य तिलक(टी)-मदुरै एक्सप्रेस
82	22102 मदुरै-लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
83	22155 कलबुर्गी-एससीएसएम(टी) कोल्हापुर एक्सप्रेस
84	22156 एससीएसएम(टी) कोल्हापुर-कलबुर्गी एक्सप्रेस
85	22157 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी)-चेन्नै एग्मोर एक्सप्रेस
86	22158 चेन्नै एग्मोर-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) एक्सप्रेस
87	22159 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी)-एमजीआर चेन्नै सेंट्रल एक्सप्रेस
88	22160 एमजीआर चेन्नै सेंट्रल-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) एक्सप्रेस
89	22179 लोकमान्य तिलक (टी)-एमजीआर चेन्नै सेंट्रल एक्सप्रेस
90	22180 एमजीआर चेन्नै सेंट्रल-लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
91	22601 एमजीआर चेन्नै सेंट्रल-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस
92	22602 साईनगर शिरडी-एमजीआर चेन्नै सेंट्रल एक्सप्रेस

93	22687 मैसूर-वाराणसी एक्सप्रेस
94	22688 वाराणसी-मैसूर एक्सप्रेस
95	22689 अहमदाबाद-यशवंतपुर एक्सप्रेस
96	22690 यशवंतपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस
97	22717 राजकोट-सिकंदराबाद एक्सप्रेस
98	22718 सिकंदराबाद-राजकोट एक्सप्रेस
99	22731 हैदराबाद-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) एक्सप्रेस
100	22732 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी)-हैदराबाद एक्सप्रेस
101	22881 पुणे-भुवनेश्वर एक्सप्रेस
102	22882 भुवनेश्वर-पुणे एक्सप्रेस
103	22919 एमजीआर चेन्नै सेंट्रल-अहमदाबाद एक्सप्रेस
104	22920 अहमदाबाद-एमजीआर चेन्नै सेंट्रल एक्सप्रेस
105	56903 सोलापुर-धारवाड़ पैसेंजर
106	56904 धारवाड़-सोलापुर पैसेंजर
107	56905 सोलापुर-एसएसएस हुब्बली पैसेंजर
108	56906 एस.एस.एस हुबली-सोलापुर पैसेंजर
109	57661 रायचूर-विजयपुर पैसेंजर
110	57662 विजयपुरा-रायचूर पैसेंजर
111	71451 सोलापुर-वाड़ी डीएमयू
112	71452 वाडी-सोलापुर डीएमयू

इसके अलावा, किसी भी मार्ग/खंड पर गाड़ी सेवाओं को शुरू करना निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जिनमें निम्नानुसार शामिल है:

- **उस खंड की क्षमता**
- **पथ की उपलब्धता**
- **आवश्यक चल स्टॉक की उपलब्धता**
- **चल स्टॉक के लिए समान अवसंरचना की उपलब्धता**
- **रेलपथ और अन्य परिसंपत्तियों के अनुरक्षण की आवश्यकता**
- **अधिभोगिता और खंड की यातायात संबंधी आवश्यकता**

महाराष्ट्र में सोलापुर जिले के स्टेशनों पर विकास संबंधी कार्यकलाप निम्नानुसार किए जा रहे हैं:-

- **सोलापुर स्टेशन: मौजूदा ऊपरी पैदल पुल के लिए नए रैंप, नए शौचालय ब्लॉक, दूसरे प्रवेश द्वार पर नए बुकिंग कार्यालय, स्टेशन भवन का सुधार कार्य, शौचालय, परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य, मुख्य और दूसरे प्रवेश द्वार पर पार्किंग और चहारदीवारी का कार्य पूरा किया गया है। 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **ज्यूर स्टेशन: नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य, प्रतीक्षालय का सुधार कार्य, सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड और गाड़ी संकेतन बोर्ड की संस्थापना का कार्य पूरा किया जा चुका है। 6 मीटर चौड़े नए ऊपरी पैदल पुल का कार्य, परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य, पार्किंग और पे एंड यूज शौचालय का कार्य शुरू किया गया है। लिफ्ट के कार्य को स्वीकृति दे दी गई है।**

- **पंढरपुर स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 2/3 के विस्तार का कार्य पूरा किया गया है। नया प्रतीक्षालय, नया बुकिंग कार्यालय, नया शौचालय ब्लॉक, प्रवेश/निकास द्वार, 12 मीटर**

चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, परिचलन क्षेत्र का सुधार, पार्किंग और सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड की संस्थापना का कार्य शुरू किया गया है। लिफ्ट और एस्केलेटर के कार्यों को स्वीकृति दे दी गई है।

- कुर्दुवाड़ी जंक्शन स्टेशन: नए स्टेशन भवन का कार्य, 6 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य, पार्किंग, नया प्लेटफॉर्म शेल्टर, शौचालय और लिफ्ट का सुधार कार्य शुरू किया गया है।

- दुधनी स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार कार्य, सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड और गाड़ी संकेतन बोर्ड की संस्थापना का कार्य पूरा किया गया है। 6 मीटर चौड़े नए ऊपरी पैदल पुल, शौचालय ब्लॉक, परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य, पार्किंग, प्लेटफॉर्म शेल्टर और प्लेटफॉर्म सतह में सुधार का कार्य शुरू किया गया है। लिफ्ट के कार्य को स्वीकृति दे दी गई है।
- अक्कलकोट रोड स्टेशन: अकालकोट रोड स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य स्वीकृत कर दिया गया है और निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

महाराष्ट्र में सोलापुर मंडल, मध्य रेलवे के अन्य स्टेशनों पर निम्नानुसार कार्य किए जा रहे हैं:

- धाराशिव स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार कार्य, परिचलन क्षेत्र का सुधार, पार्किंग, प्लेटफॉर्म सतह और प्लेटफॉर्म शेल्टर का सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल और शौचालय ब्लॉक का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- लातूर स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार, परिचलन क्षेत्र का सुधार, पार्किंग, पहुंच मार्ग का सुधार कार्य, जल निकासी, चहारदीवारी और प्लेटफॉर्म की सतह के सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। नए प्रवेश द्वार, एस्केलेटर और मौजूदा ऊपरी पैदल पुल के लिए रैंप का कार्य शुरू कर दिया गया है। लिफ्ट के कार्य को स्वीकृति दे दी गई है।

महाराष्ट्र

रेल बजट:

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सोलापुर जिले सहित महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,171 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2026-27	23,926 करोड़ रुपए (20 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

वर्ष 2009-14 और 2014-26 के दौरान सोलापुर जिले सहित महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	292 कि.मी.	58.4 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-26	2,585 कि.मी.	215.4 कि.मी. प्रति वर्ष (लगभग 4 गुना)

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, सोलापुर जिले सहित महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 1,42,635 करोड़ रु. की लागत से 5,956 कि.मी. कुल लंबाई की 52 परियोजनाओं (13 नई लाइनें, 02 आमान परिवर्तन और 37 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया

है। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक किया गया व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	13	1,399	266	13,065
आमान परिवर्तन	02	609	334	5,013
दोहरीकरण/बहुपथन	37	3,948	998	16,704
कुल	52	5,956	1,598	34,782

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

सोलापुर जिले सहित महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली व हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	पुणे-मिराज-लोंडा दोहरीकरण (467 कि.मी.)	6,463
2	होटगी-कुडगी-गदग दोहरीकरण (284 कि.मी.)	2,459
3	मनमाड-जलगांव तीसरी लाइन (160 कि.मी.)	1,677
4	जबलपुर-गोंदिया आमान परिवर्तन (300 कि.मी.)	2,005
5	छिंदवाड़ा-नागपुर आमान परिवर्तन (150 कि.मी.)	1,512
6	पनवेल-पेन दोहरीकरण (35 कि.मी.)	263
7	पेन-रोहा दोहरीकरण (40 कि.मी.)	330
8	उधना-जलगांव दोहरीकरण (307 कि.मी.)	2,448
9	मुदखेड़-परभणी दोहरीकरण (81 कि.मी.)	673

10	भुसावल-जलगांव तीसरी लाइन (24 कि.मी.)	325
11	जलगांव-भुसावल चौथी लाइन (24 कि.मी.)	261
12	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 कि.मी.)	3,182
13	दौंड-मनमाड दोहरीकरण (236 कि.मी.)	3,426

चालू परियोजनाएं:

सोलापुर जिले सहित महाराष्ट्र राज्य में रेल अवसंरचना को और बेहतर बनाने के लिए, निम्नलिखित कार्य शुरू किए गए हैं:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	अहिल्यानगर-परली वैजनाथ नई लाइन (261 कि.मी.)	5,800
2	बारामती-लोणांद नई लाइन (64 कि.मी.)	1,844
3	वर्धा-नांदेड़ नई लाइन (284 कि.मी.)	5,248
4	इंदौर-मनमाड नई लाइन (360 कि.मी.)	18,529
5	वाडसा-गढ़चिरौली नई लाइन (52 कि.मी.)	1,886
6	जालना-जलगांव नई लाइन (174 कि.मी.)	5,804
7	वर्धा-नागपुर तीसरी लाइन (76 कि.मी.)	917
8	वर्धा-बल्लारशाह तीसरी लाइन (132 कि.मी.)	1,755
9	इटारसी-नागपुर तीसरी लाइन (280 कि.मी.)	2,607
10	राजनांदगांव-नागपुर तीसरी लाइन (228 कि.मी.)	3,545
11	वर्धा-नागपुर चौथी लाइन (79 कि.मी.)	1,215
12	जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 कि.मी.)	2,574
13	भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 कि.मी.)	3,285
14	सोलापुर-तुलजापुर-उस्मानाबाद नई लाइन (84 कि.मी.)	3,296

15	पनवेल-चौक दोहरी लाइन (17 कि.मी.)	491
16	वर्धा-बल्हारशाह चौथी लाइन (135 कि.मी.)	2,226
17	इटारसी-नागपुर चौथी लाइन (297 कि.मी.)	5,010
18	वर्धा-भुसावल तीसरी और चौथी लाइन (314 कि.मी.)	9,197
19	गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी लाइन (84 कि.मी.)	2,223
20	गोंदिया-बल्हारशाह दोहरीकरण (240 कि.मी.)	4,819
21	कल्याण-कसारा तीसरी लाइन (68 कि.मी.)	1,433
22	नाइगांव-जुइचेंद्र दोहरी कॉर्ड लाइन (5 कि.मी.)	176
23	नीलजे-कोपर दोहरी कॉर्ड लाइन (5 कि.मी.)	338
24	बदलापुर-कर्जत तीसरी और चौथी लाइन (32 कि.मी.)	1,324
25	आसनगांव-कसारा चौथी लाइन (35 कि.मी.)	794
26	कसारा-मनमाड तीसरी और चौथी लाइन (131 कि.मी.)	10,154
27	गोंदिया-जबलपुर दोहरीकरण (231 कि.मी.)	5,236
28	चालीसगांव रेल ओवर रेल फ्लाईओवर (11 कि.मी.)	264
29	चिखली और सोमताने (4 कि.मी.) के बीच कॉर्ड लाइन	172
30	पुणतांबा - साईनगर शिर्डी दोहरीकरण (17 कि.मी.)	227

इसके अलावा, पिछले तीन वर्षों अर्थात 2023-24, 2024-25, 2025-26 और मौजूदा वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान, सोलापुर जिले सहित महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले कुल लंबाई 6,872 कि.मी. के 60 सर्वेक्षण कार्य (21 नई लाइन और 39 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मापदंडों/कारकों पर निर्भर करती है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- संभावित यातायात अनुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता

- **परियोजना द्वारा मुहैया कराई गई प्रथम और अंतिम स्थान संपर्कता**
- **अनुपलब्ध कड़ियों का संयोजन और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन**
- **राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें**
- **रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वानिकी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **विशिष्ट परियोजना स्थल आदि के लिए वर्ष में कार्य अनुकूल महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों में निम्नलिखित शामिल है:

- **निधियों के आबंटन में पर्याप्त वृद्धि।**
- **फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।**
- **विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की कड़ी निगरानी।**

- **भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव संबंधी मंजूरी में तेजा लाने और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों के समाधान के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकारियों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई।**

मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के लिए क्षमता संवर्धन कार्य:

वर्तमान में, मुंबई क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 120 मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियां तथा 3200 उपनगरीय रेलगाड़ियों सम्हलाई की जाती है।

मुंबई क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर गाड़ी सम्हलाई क्षमता बढ़ाने के लिए, विभिन्न स्टेशनों पर निम्नलिखित कार्य पूरे किए गए/शुरू किए गए हैं/योजनाबद्ध किए गए हैं:

क्र.सं	स्थान	विवरण
1	बांद्रा टर्मिनस	3 पिट लाइनों का कार्य पूरा किया गया।
2	मुंबई सेंट्रल	24 एलएचबी सवारी डिब्बों के लिए प्लेटफॉर्मों का विस्तार
3	जोगेश्वरी	5 अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, 2 पिट लाइनें
4	दादर	1 अतिरिक्त प्लेटफॉर्म
5	पनवेल-कलंबोली	5 प्लेटफॉर्म, 4 पिट लाइनें और 2 सिक लाइनें
6	कल्याण	6 प्लेटफॉर्म तथा 4 पिट लाइनें
7	लोकमान्य तिलक टर्मिनस	4 प्लेटफॉर्म तथा 2 पिट लाइनें
8	परेल	6 प्लेटफॉर्म, 5 पिट लाइनें, 6 स्टेबलिंग लाइनें
9	वसई-विरार क्षेत्र	वसई रोड: 6 प्लेटफॉर्म 3 पिट लाइनें तथा 5 स्टेबलिंग लाइनें नायगाँव - 30 स्टेबलिंग लाइनें विरार - 2 स्टेबलिंग लाइनें
10	दहानु क्षेत्र	दहानु : 5 स्टेबलिंग लाइनें न्यू वाणगाँव: 30 स्टेबलिंग लाइनें

उपरोक्त के अलावा, 15 डिब्बों वाली ईएमयू को समायोजित करने के लिए 34 स्टेशनों पर प्लेटफार्म विस्तार संबंधी कार्य शुरू किए गए हैं।

क्षमता संवर्धन के लिए नई परियोजनाएं:

मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में रेल नेटवर्क की सम्पर्कता तथा क्षमता बढ़ाने के लिए मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी)-I जिसकी लागत 4,502 करोड़ रु. है, एमयूटीपी-II जिसकी लागत 8,087 करोड़ रु. है एमयूटीपी-III जिसकी लागत 10,947 करोड़ रु. है और एमयूटीपी-IIIए जिसकी लागत 33,690 करोड़ रु. है, को स्वीकृति दी गई है। इन कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

क्रसं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)	कार्य की स्थिति
1	विरार - दहानु रोड तीसरी और चौथी लाइन (64 कि.मी.)	3,578	• संपूर्ण 39 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया। • संपूर्ण 3 लाख घन मीटर भूमि संबंधी कार्य पूरा किया गया। • 16 बड़े पुलों में से 13 पुलों के कार्य पूरे किए गए हैं। • 68 छोटे पुलों में से 53 पुलों के कार्य पूरे किए गए। • सभी 4 निचले सड़क पुलों के कार्य पूरे किए गए। • 181 स्टेशनों/सेवा भवनों में से 60 के कार्य पूरे किए गए। • 128 कि.मी. रेलपथ बिछाने के कार्यों में से 31 कि.मी. के कार्य पूरे किए जा चुके हैं।

2	बोरीवली - विरार पांचवी और छठी लाइन (26 कि.मी.)	2,184	• 17 हेक्टेयर भूमि में से 16 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया। • पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से वन संबंधी मंजूरी प्राप्त कर ली गई है। • ज्वारीय वनों की कटाई के लिए माननीय उच्च न्यायालय से अनुमति प्राप्त कर ली गई है। • 6.7 लाख घन मीटर में से 3.3 लाख घन मीटर भूमि संबंधी कार्य पूरा किया गया। • 23 ऊपरी पैदल पुलों के विस्तार कार्यों में से 5 के कार्य पूरे किए गए। • 12 छोटे पुलों के कार्यों में से 2 पुलों के कार्य पूरे किए गए। • 3 बड़े पुलों के कार्य प्रगति पर हैं। स्टेशन भवनों और अन्य मदों के कार्य प्रगति पर है।
3	नाइगांव-जुचंद्र दोहरी कॉर्ड लाइन (6 कि.मी.)	176	• भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
4	गोरेगांव-बोरीवली (7 कि.मी.) से हार्बर लाइन का विस्तार	826	• भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
5	मुंबई सेंट्रल-बोरीवली छठी लाइन (30 कि.मी.)	919	• चरण-I (बोरीवली - खार रोड, 17 कि.मी.): कमीशन किया गया। • चरण-II (खार रोड - मुंबई सेंट्रल): भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया

			है।
6	चौथी लाइन आसनगांव-कसारा (34.97 कि.मी.)	794	• डिज़ाइन और आरेखण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
7	कल्याण - आसनगांव चौथी लाइन (32 कि.मी.)	1,759	• 92 छोटे पुलों में से 8 के कार्य पूरे किए गए। • 28 हेक्टेयर में से 17 हेक्टेयर का भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा किया जा चुका है। • 7 बड़े पुलों में कार्य प्रगति पर है।
8	कल्याण - कसारा तीसरी लाइन (68 कि.मी.)	1,433	• 54 हेक्टेयर में से 48 हेक्टेयर का भूमि अधिग्रहण कार्य पूरा कर लिया गया है। • 9 बड़े पुलों में से 4 पुलों के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। • सभी 5 स्टेशन भवनों के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। • 68 कि.मी. रेलपथ बिछाने के कार्यों में से 23 कि.मी. के कार्य पूरे किए जा चुके हैं।
9	कल्याण - बदलापुर तीसरी और चौथी लाइन (14 कि.मी.)	1,510	• 2 बड़े पुलों में से 1 पुल का कार्य पूरा किया गया। • 4 ऊपरी सड़क पुलों में से 2 पुलों के कार्य पूरे किए गए। • 40 छोटे पुलों में से 30 पुलों के कार्य पूरे किए गए हैं।
10	तीसरी और चौथी लाइन बदलापुर - कर्जत (32.46 कि.मी.)	1,324	• डिज़ाइन और आरेखण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

11	पनवेल - कर्जत उपनगरीय कॉरिडोर (29.6 कि.मी.)	2,782	• सभी 3 सुरंगों (3 कि.मी.) को कार्य पूरे कर लिए गए हैं। • 5 ऊपरी सड़क पुलों, 16 निचले सड़क पुलों के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। • 9 बड़े पुलों, 35 छोटे पुलों के कार्य पूरे किए गए। • 70 कि.मी. रेलपथ बिछाने के कार्यों में से 67 कि.मी. के कार्य पूरे किए जा चुके हैं।
12	ऐरोली - कलवा (एलिवेटेड) उपनगरीय कॉरिडोर लिंक (3.3 कि.मी.)	476	• चरण-I (दीघा में हॉल्ट स्टेशन): कमीशन किया गया। • चरण-II (ऐरोली - कलवा एलिवेटेड रेलपथ, 3.3 कि.मी.): भूमि अधिग्रहण और पुनर्स्थापन और पुनर्वास के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
13	निलजे - कोपर दोहरी कॉर्ड लाइन (5 कि.मी.)	338	• भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है। • 15 छोटे पुलों में से 6 पुलों के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। • 1 लाख घन मीटर में से से 0.85 लाख घन मीटर में भूमि संबंधी कार्य पूरा किया गया।
14	सीएसएमटी - कुर्ला पांचवी और छठी लाइन (17.5 कि.मी.)	891	चरण-I (कुर्ला - परेल, 10.1 कि.मी.): • 12 छोटे पुलों में से 1 पुल का कार्य पूरा किया गया। • 4 स्टेशन भवनों में से 2 भवनों के कार्य पूरे किए गए।

			• सायन ऊपरी सड़क पुल का पुनर्निर्माण कार्य प्रगति पर है। चरण-II (परेल - सीएसएमटी, 7.4 कि.मी.): • भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

नई पीढ़ी की गाड़ियां:

यात्री वहन क्षमता बढ़ाने के लिए, ₹19,293 करोड़ की लागत से मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी)-III और IIIए के तहत दरवाजों सहित 12 कारों के 238 रेक स्वीकृत किए गए हैं। इन रेकों की प्रापण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

बुलेट ट्रेन परियोजनाः

वर्तमान में, मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 कि.मी.) निष्पादनाधीन है। मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरुच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में योजनाबद्ध 12 स्टेशनों सहित यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजर रही है।

एमएएचएसआर परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) का अधिग्रहण कर लिया गया है। सभी सांविधिक स्वीकृतियाँ प्राप्त कर ली गई हैं। सभी 1651 जनोपयोगिताओं को स्थानांतरित कर दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य में भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण परियोजना 2021 तक प्रभावित रही है। महाराष्ट्र में 2022 से भूमि अधिग्रहण में तेजी आई है।

अब तक विभिन्न प्रमुख कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

मद	प्रगति
पियर्स	452 किलोमीटर

गर्डर	356 किलोमीटर
ट्रैक बेड	209 किलोमीटर
ओएचई मास्ट	190 किलोमीटर

स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति नीचे दी गई है:-

क्र.सं.	स्टेशन	स्थिति
1	साबरमती	नींव संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है, प्लेटफॉर्म स्लैब और छत का संरचना संबंधी और परिष्करण कार्य प्रगति पर हैं।
2	अहमदाबाद	संरचना संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है। परिष्करण कार्य शुरू कर दिया गया है।
3	आणंद/नडियाद	
4	वडोदरा	नींव संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है, संरचना संबंधी और परिष्करण कार्य शुरू कर दिया गया है।
5	भरुच	संरचना संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है और परिष्करण कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	सूरत	
7	बिलीमोरा	
8	वापी	
9	बोईसर	नींव संबंधी कार्य शुरु किया गया है और अंतिम चरण में है। संरचना संबंधी कार्य शुरू किए जा चुके हैं।
10	विरार	
11	ठाणे	
12	बीकेसी (मुंबई)	यह एक भूमिगत स्टेशन है। नींव संबंधी कार्य लगभग पूरे किए जा चुके हैं और बेस स्लैब का कार्य शुरू कर दिया गया है।

नदी पुलों के कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	नदी का नाम	स्थिति
1	साबरमती नदी (480 मीटर)	उप-संरचना का कार्य पूरा हो गया है, अधिसंरचना का कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	मेशवा नदी (120 मीटर)	पुल निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
3	वत्रक नदी (280 मीटर)	
4	मोहर (शेढ़ी) नदी (160 मीटर)	
5	माही नदी (720 मीटर)	12 में से 11 कुओं के कार्य पूरे कर लिए गए हैं, 5 स्पैन स्थापित कर दिए गए हैं
6	विश्वामित्री नदी (80 मीटर)	पुल निर्माण का कार्य पूरा किया जा चुका है।
7	धादर नदी (120 मीटर)	
8	नर्मदा नदी (1366 मीटर)	25 में से 21 कुओं का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है; 4 स्पैन स्थापित किए गए हैं।
9	किम नदी (120 मीटर)	पुल निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
10	तापी नदी (720 मीटर)	नींव संबंधी कार्य शुरु कर दिया गया है, 12 में से 10 कुओं का कार्य पूरा किया जा चुका है।
11	मिंडहोला नदी (240 मीटर)	
12	पूर्णा नदी (360 मीटर)	
13	अंबिका नदी (200 मीटर)	
14	वेंगनिया नदी (200	

	मीटर)	
15	कावेरी नदी (120 मीटर)	
16	खरेरा नदी (120 मीटर)	
17	औरंगा नदी (320 मीटर)	
18	पार नदी (320 मीटर)	पुल निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है।
19	कोलक नदी (160 मीटर)	
20	दमन गंगा नदी (360 मीटर)	
21	डारोथा नदी (80 मीटर)	
22	जगनी नदी (360 मीटर)	नींव संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है।
23	वैतरणा नदी (2320 मीटर)	12 पाइल कैप और 11 पियर (58 में से) का कार्य पूरा कर लिया गया है।
24	उल्हास नदी शाखा (120 मीटर)	नींव संबंधी कार्य शुरू करने के लिए अस्थायी पहुंच पुल (टैब) का कार्य पूरा कर लिया गया है।
25	देसाई खाड़ी नदी पुल (400 मीटर)	भू-तकनीकी जांच (जीटीआई) का कार्य पूरा किया जा चुका है और डिजाइन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

समुद्र के नीचे सुरंग (लगभग 21 कि.मी.) का कार्य शुरू किया गया है, जिसमें से महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 4.8 किलोमीटर सुरंग का कार्य पूरा किया जा चुका है।

सूरत-वापी रेलखंड (97 कि.मी.) पर नदी पुल निर्माण सहित सभी सिविल निर्माण कार्य पूरे किए जा चुके हैं और 87% ट्रैक बेड बिछा दिया गया है।

बहरहाल, बुलेट ट्रेन परियोजना अत्यंत जटिल और प्रौद्योगिकी प्रधान परियोजना है। सिविल संरचनाओं, रेलपथ, विद्युतीय, सिगनल प्रणाली और दूरसंचार के सभी संबंधित कार्यों और गाड़ीसेटों की आपूर्ति के पूरा होने के बाद ही संपूर्ण परियोजना के समापन की सटीक समय-सीमा का उचित रूप से निर्धारण किया जा सकता है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय परिवहन अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने, क्षेत्रीय संपर्कता, आर्थिक विकास, पर्यटन, निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने तथा सड़क और हवाई परिवहन से रेल में मोडल शिफ्ट को प्रोत्साहित करने हेतु सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में निम्नलिखित सात नए उच्च गति रेल (एचएसआर) कॉरिडोरों के विकास की घोषणा की है:-

(i) मुंबई-पुणे
(ii) पुणे-हैदराबाद
(iii) हैदराबाद-बेंगलूरु
(iv) हैदराबाद-चेन्नै
(v) चेन्नै-बेंगलूरु
(vi) दिल्ली-वाराणसी
(vii) वाराणसी-सिलीगुड़ी

अत्यधिक पूंजी प्रधान होने के कारण, किसी भी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर/परियोजना को स्वीकृति देने का निर्णय कई कारकों जैसे विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का परिणाम, तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन और वित्तीय विकल्पों आदि जैसे संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर:

रेल मंत्रालय ने दो समर्पित माल यातायात कॉरिडोरों यथा लुधियाना से सोननगर तक ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (1337 कि.मी.) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (जेएनपीटी) से दादरी तक वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (1506 कि.मी.) का निर्माण कार्य शुरू किया।

ईडीएफसी और डब्ल्यूडीएफसी का कार्य पूरा कर लिया गया है और इसे कमीशन कर दिया गया है। औसतन डीएफसी पर प्रतिदिन 443 से अधिक गाड़ियां परिचालित की जाती हैं। पूर्वी और पश्चिमी समर्पित माल कॉरिडोरों (ईडीएफसी और डब्ल्यूडीएफसी) के पूर्णतः कमीशन किए गए खंडों के माध्यम से सुदृढ़ परिचालनिक निष्पादन किया गया है। उच्च औसत गति, तीव्र टर्नअराउंड और संवर्धित विश्वसनीयता से माल ढुलाई की मात्रा में लगातार वृद्धि हुई है, कॉरिडोर में कंटेनर, कोयला और थोक कार्गो की आवाजाही में लगातार वृद्धि हो रही हैं, जो माल ढुलाई परिवहन में क्षमता वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

समर्पित माल कॉरिडोरों द्वारा माल यातायात को पूर्वी समर्पित माल गलियारे और पश्चिमी समर्पित माल गलियारे की ओर प्रोत्साहित करके पारंपरिक नेटवर्क पर अतिरिक्त मार्ग सृजित करने में योगदान दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, रेलवे अपने नेटवर्क पर अतिरिक्त माल और कोचिंग सेवाओं के परिचालन में सक्षम हुआ है। डीएफसी ने तेजी से पारगमन समय, उच्च थ्रूपुट और डबल-स्टैक कंटेनर संचालन (विशेष रूप से पश्चिमी डीएफसी पर) को सक्षम बनाया है। इन सुधारों ने समग्र संभार तंत्र लागत को कम करने, आपूर्ति श्रृंखला दक्षता में सुधार करने और भारतीय उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में योगदान दिया है।

केंद्रीय बजट 2026 में पूर्व में डानकुनि को पश्चिम में सूरत से जोड़ने वाले एक नए समर्पित माल कॉरिडोरों की घोषणा की गई है। इस कॉरिडोरों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने/अद्यतन करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

रेल विद्युतीकरण

भारतीय रेल में रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण मिशन मोड में शुरू किया गया है। अब तक, बड़ी लाइन नेटवर्क का लगभग 99.6% विद्युतीकृत किया जा चुका है। शेष नेटवर्क का विद्युतीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है। वर्ष 2014-26 के दौरान और वर्ष 2014 से पहले किए गए विद्युतीकरण कार्य का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	मार्ग कि.मी.
2014 से पहले (लगभग 60 वर्ष)	21,801
2014-26	48,072

महाराष्ट्र राज्य में संपूर्ण मौजूदा नेटवर्क को विद्युतीकृत कर दिया गया है। इसके अलावा, सभी नई लाइन/बहुपथन परियोजनाओं को विद्युतीकरण के साथ स्वीकृति और निर्मित किया जा रहा है।

सोलापुर सहित महाराष्ट्र राज्य में स्टेशन पुनर्विकास

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उन्हें चरणबद्ध रूप में कार्यान्वित करना शामिल है। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान बनाने में निम्नानुसार कार्य शामिल किए गए हैं:

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार**
- **शहर के दोनों भागों के साथ स्टेशन का एकीकरण**
- **स्टेशन भवन का सुधार**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथों में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/भूमिगत पैदल पारपुल का प्रावधान**
- **लिफ्टों/एस्केलेटरों/रैंप का प्रावधान**
- **प्लेटफॉर्म सतह में सुधार/प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का प्रावधान**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान**
- **पार्किंग क्षेत्र का विकास**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **एयर कॉनकोर्स, एग्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमॉडल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान।**

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की परिकल्पना की गई है।

अभी तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें सोलापुर जिले के अक्कलकोट रोड, दुधनी, जेऊर, कुर्डुवाडी जंक्शन, पंढरपुर और सेलोपुर स्टेशन सहित 132 स्टेशन महाराष्ट्र में स्थित हैं। महाराष्ट्र राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
महाराष्ट्र	132	अहमदनगर, अजनी (नागपुर), अक्कलकोट रोड़, अकोला, आकुर्डी, अमलनेर, आमगाँव, अमरावती, अंधेरी, बडनेरा, बल्हारशाह, बांद्रा टर्मिनस, बारामती, बेलापुर, भंडारा रोड, भोकर, भुसावल, बोरीवली, भायखला, चालीसगाँव, चांदा फोर्ट, चंद्रपुर, चर्नी रोड, छत्रपति संभाजी नगर, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चिंचपोकली, चिंचवाड, दादर (मध्य रेलवे), दादर (पश्चिम रेलवे), दहिसर, दौंड, देहु रोड, देवलाली, धामणगांव, धरणगांव, धाराशिव, धर्माबाद, धुले, दिवा, दुधनी, गंगाखेर, गोधानी, गोंदिया, ग्रांट रोड, हडपसर, हातकणंगले, हजूर साहिब नान्देड, हिमायत नगर, हिंगनघाट, हिंगोली दक्कन, इगतपुरी, जलगाँव, जालना, जेऊर, जोगेश्वरी, कल्याण जंक्शन, कामटी, कांदिवली, कंजुर मार्ग, कराड, काटोल, केडगाँव, किनवट, कोपरगाँव, कुर्डुवाडी जंक्शन, कुर्ला जंक्शन, लासलगाँव, लातूर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, लोनंद जंक्शन, लोनावाला, लोअर परेल, मलाड जं., मलकापुर, मनमाड जं., मानवत रोड, मरीन लाइन्स, माटुंगा, मिराज जंक्शन, मुदखेड़

		जंक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंब्रा, मुर्तिजापुर, नागरसोल, नागपुर जं., नंदगाँव, नांदुरा, नंदुरबार, नरखेड़ जंक्शन, नासिक रोड, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, पाचोरा जंक्शन, पालघर, पंढरपुर, पनवेल जंक्शन, परभणी जंक्शन, परेल, परली वैजनाथ, परतूर, फलटाण, प्रभादेवी, पुलगाँव जंक्शन, पुणे जंक्शन, पूर्णा जंक्शन, रावेर, रोटेगांव, साईंनगर शिर्डी, सैंडहर्स्ट रोड, सांगली, सातारा, सावदा, सेलू, सेवाग्राम, शहाड, शेगांव, शिवाजीनगर पुणे, श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर, सोलापुर, तलेगांव, ठाकुर्ली, ठाणे, टिटवाला, तुमसर रोड, उमरी, उरुली, वडाला रोड, विद्याविहार, विक्रोली, वडसा, वर्धा, वाशिम, वाठार

<u>स्टेशन जहां कार्य पूर्ण कर लिया गया है</u>:

महाराष्ट्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। महाराष्ट्र में जिन स्टेशनों पर कार्य पूर्ण कर लिया गया है, उनका विवरण निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
महाराष्ट्र	20	आमगांव, बारामती, भायखला, चांदा फोर्ट, चिंचपोकली, देवलाली, धुले, हिमायतनगर, केडगांव, लासलगांव, लोणंद जंक्शन, मलकापुर, माटुंगा, मुर्तिजापुर जंक्शन, नंदुरा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, परेल, सावदा, शहद, वडाला रोड

अन्य स्टेशनों पर भी विकास संबंधी कार्यकलाप तेज गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों पर कार्य की प्रगति निम्नानुसार है:

महाराष्ट्र के अन्य स्टेशन:

- **छत्रपति संभाजीनगर स्टेशन: उत्तर की ओर नए डाकघर भवन और पार्सल कार्यालय, रेल सुरक्षा बल और राजकीय रेल पुलिस के नए भवन का कार्य पूरा किया गया है। दक्षिण की ओर नए आगमन और प्रस्थान भवन, नया प्रतीक्षालय, शौचालय, एयर कॉनकोर्स, 6 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, छत, उत्तर और दक्षिण की ओर नए भूमिगत टैंक, उत्तर और दक्षिण की ओर नया अपशिष्ट शोधन संयंत्र और नए विद्युत सब स्टेशन भवन का कार्य शुरू किया गया है।**

- **नागपुर जंक्शन स्टेशन: यात्री आरक्षण प्रणाली भवन और बुकिंग कार्यालयों की पुनर्स्थापना और मुख्य प्रवेश द्वार पर पार्किंग में सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। नए प्रशासनिक भवन, प्रस्थान भवन और मुख्य प्रवेश द्वार पर भूमिगत पार्किंग, प्रस्थान भवन और दूसरे प्रवेश द्वार पर एकीकृत बेसमेंट, नए एयर कॉनकोर्स, प्लेटफॉर्म संख्या 8 पर प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार कार्य और नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य शुरू किया गया है।**

- **अजनी स्टेशन: मुख्य प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का निर्माण, दूसरे प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन, 10 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, 18 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, एयर कॉनकोर्स, प्लेटफॉर्म शेल्टर और प्लेटफॉर्म सतह में सुधार का कार्य किया गया है।**

- **जालना स्टेशन: दक्षिण की ओर नए आगमन भवन और प्रस्थान भवन, उत्तर की ओर नए आगमन भवन, उत्तर की ओर नए प्रस्थान भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर, एयर कॉनकोर्स, 6 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, थ्रू रूफ, उत्तर और दक्षिण की ओर नए भूमिगत टैंक, उत्तर और दक्षिण की ओर नए अपशिष्ट शोधन संयंत्र, नए डाकघर और पार्सल कार्यालय भवन, रेल सुरक्षा बल और राजकीय रेल पुलिस का नया भवन और विद्युत सब-स्टेशन का कार्य शुरू किया गया है।**

इसके अलावा, भारतीय रेल में यात्री सुविधाओं जैसे लिफ्ट, एस्केलेटर आदि के प्रावधान सहित स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण, एक सतत और निरंतर चलने वाली

प्रक्रिया है और इससे संबंधित निर्भर कार्य आवश्यकता, परस्पर प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन शुरू किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/दशा/संभाले गए यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति के कार्य हैं, जिनमें यात्रियों और गाड़ियों की संरक्षा शामिल है और इसके लिए विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियाँ जैसे पेड़ों की कटाई, धरोहर, अग्निशमन विभाग की स्वीकृति, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृतियां आदि अपेक्षित होती हैं। ये स्टेशन लंबे समय से परिचालन में हैं, अतः ब्राउनफील्ड कार्य चुनौतियों जैसे जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण (जिनमें पानी/सीवेज की लाइनें, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइपलाइन, पावर/सिगनल केबल आदि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना गाड़ियों का परिचालन, रेलपथ और उच्च वोल्टेज बिजली की लाइन के निकट किए जा रहे कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि का सामना किया जा रहा है तथा ये कारक कार्य की प्रगति व समापन समय को प्रभावित करते हैं।

******